THIRD SEMESTER

Open Elective Course:Code: OE.3.1 (Marks:80+20,Units:4 of 20 marks each)

Title of Course : **हिन्दी आधुनिक काव्य**
Hindi Modern Poetry.

हिन्दी आधुनिक काव्यः परंपरा एवं विकास - सामान्य परिचय
आधुनिक काव्य : स्वरूप, विधान एवं प्रकार
हिन्दी आधुनिक काव्य : विभिन्न वाद एवं विचारधाराएँ
हिन्दी के प्रमुख आधुनिक कवि एवं उनके कृतियों का अध्ययन
श्रीधर पाठक, मैथिलिशरण गुप्त,जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, रामधारीसिंह दिनकर, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय, हरिवंशराय बच्चन, नागार्जुन, धूमिल , कात्यायनि , अनामिका , ओमप्रकाश वाल्मीकि
अध्ययन के लिए निर्धारित आधुनिक काव्य
मैथिलिशरण गुप्तः साकेत (नमव सर्ग)
जयंशंकर प्रसादः कामायनी (चिंता सर्ग)
सुमित्रानंदन पंतः नौका विहार,मौन निमंत्रण, ताज
महादेवी वर्माः बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, क्या पूजा क्या अर्चन रे ?
सूर्यकांत त्रिपाठी निरालाः राम की शक्तिपूजा
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेयः असाध्य वीणा
धूमिलः मोचीराम
(संदर्भात्मक व्याख्या प्रश्न के लिए पंत,निराला,अज्ञेय,धूमिल का काव्य निर्धारित है)

प्रश्न पत्रिका नमूना तथा अंकों का विवरण

१	छः समीक्षात्मक प्रश्न (out of eight)	6 X10 = 60	3 unit
२	चार संदर्भसहित व्याख्यात्मक प्रश्न (out of six)	4 X 05 = 20	1 unit
		80	

सहायक ग्रंथ सूचि

१ आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारीःराजकमल प्रकाशन, कश्मीरीगेट, दिल्ली-६
२ आधुनिक साहित्य :मूल्य और मूल्यांकनः निर्मला जैन :राजकमल प्रकाशन, कश्मीरीगेट, दिल्ली-६
३ साकेतः ऋचा मिश्रा : अमर प्रकाशन , सदर बाजार, मथुरा- १
४ साकेत के नवम सर्ग की टीका :विश्वम्भर मानव :लोकभारतीप्रकाशन , इलाहाबाद- १
५ कामायनी एक पुर्नविचारः गजानन माधव मुक्तिबोधः राजकमल प्रकाशन, कश्मीरीगेट, दिल्ली-६
६ कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकनःडॉ इंद्रनाथ मदानःनीलाभ प्रकाशन,खुसरोबाग रोड, इलाहाबाद -१
७ अज्ञेयः विद्यानिवास मिश्रः राजपाल ऑण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट नई दिल्ली
८ नई कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोधः राजकमल प्रकाशन, कश्मीरीगेट, दिल्ली-६
९ छायावादी : नामवर सिंहः राजकमल प्रकाशन, कश्मीरीगेट, दिल्ली-६
१० छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययनः कुमार विमल :राजकमल प्रकाशन, कश्मीरीगेट, दिल्ली-६